A. V. Education Society's
DEGLOOR COLLEGE, DEGLOOR

Programme Specific Outcomes – Hindi

1. भारतीय संस्कृति के उदात्त मूल्यों का परिचय।
2. साहित्य के विविध विधा, रचनाकार, एवं रचनाओं का ज्ञान एवं समीक्षा।
3. विज्ञापन लेखन, संवादलेखन, पत्रकारिता, गीतलेखन आदि रोजगारमूलक क्षेत्र में उपयुक्त।
4. प्रकाशन, संपादक, अनुवाद आदि क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएँ।
5. महाविद्यालय एवं विश्व विद्यालय में सहयोगी प्रोफेसर।
6. स्पर्धा परीक्षा, नेट, सेट जी , आर एफ, बी. एड अदि परीक्षा के लिए।
7. एम. फिल. पी. एच. डी उपाधि हेतु।
8. भाषिक ज्ञान एवं साहित्य विषयक ज्ञान में बढ़ोत्तरी।

A. V. Education Society's
DEGLOOR COLLEGE, DEGLOOR

Course Outcomes - Hindi

M.A. First Year - Hindi

Semester – I

Name of the Paper – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य : भाग – 01

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
2. छात्रों में प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य को समझने की क्षमता बढ़ाना।
3. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की गद्य एवं पद्य विधाओं का तात्विक परिचय कराना
4. वर्तमान समय में कबीर के विचारों की प्रासंगिकता को छात्रों को समझाना।
5. हिंदी भाषा के गण्यमान्य साहित्यकारों के साहित्यिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व से छात्रों का परिचय कराना और इनके योगदान पर प्रकाश डालना जिससे छात्रों में साहित्य सृजन की अभिलाषा अंकुरित, पल्लवित और फलित हो।
6. सूफी साहित्य के माध्यम से जीवनमूल्यों एवं जीवन दर्शन को समझाना

M.A. First Year – Hindi

Semester – II

Name of the paper – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य : भाग – 02

1. तुलसीदास के रामचरितमानस के माध्यम से आदर्श पुत्र, आदर्श भ्राता, आदर्श राजा के महत्व को समझने की छात्रों में क्षमता विकसित करना।
2. प्राचीन एवं मध्यकालीन संस्कृति परिस्थितियाँ हमारे वर्तमान जीवन को बनाने में किस तरह सहायक होते हैं यह बताकर छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के प्रति आकृष्ट करना।
3. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के आस्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि को बढ़ावा देना।

4. द्रुत पाठ हेतु दिये गए कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाल छात्रों में साहित्य सृजन की अभिलाषा अंकुरित करना।
5. तत्कालीन संस्कृति, जीवनदर्शन का परिचय देना।

M.A. First Year - Hindi

Semester – I

Name of the Paper – भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा : भाग – 01

1. भाषा के उद्‌भव और विकास को समझाना।
2. भाषा के स्वरूप को समझाना।
3. भाषा में सामाजिक, भौगोलिक रूप से जो परिवर्तन होते उन्हें छात्रों को समझाना।
4. छात्रों को व्याकरणिक दृष्टि से सक्षम बनाना।
5. छात्रों के वर्णों, शब्दों तथा वाक्यों के उच्चारण में शुद्‌धता उत्पन्न करना।
6. भाषा विज्ञान प्रति रुची निर्माण करना।
7. देवनागरी लीपी की विशेषताएँ एवं मानकीकरण स्पष्ट करना।

M.A. First Year

Semester - II

Name of the Paper – भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा : भाग - 02

1. छात्रों को अर्थ परिवर्तन की दिशाओं से अवगत कराकर शास्त्रीय दृष्टि से वाक्य निर्माण करने के लिए उपयुक्त करना।
2. भाषाई वैविध्ये वाले भारत देश में हिंदी के महत्व को समझाना।
3. हिंदी की संवैधानिक स्थिति से छात्रों को अवगत कराना।

4. भाषाविज्ञान समझने के साथ ही साथ हिंदी भाषा के संदर्भ में मशीनी अनुवाद आंकड़ा संसाधन, मेल आयडी पंजीकरण, सर्च करना आदी को समझने तथा सीखने का अवसर छात्रा प्राप्त होना।
5. वाक्य में प्रयुक्त शब्द रूपों की शुद्धता और अशुद्धता समझने की योग्यता उत्पन्न करना।

M.A. First Year -
Semester - I
Name of the Paper – हिंदी साहित्य का इतिहास : भाग – 01

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं कालविभाजन को समझाकर पुनर्लेखन की समस्याओं से छात्रों का परिचय कराना।
2. हिंदी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल के रचनाकारों का परिचय कराना।
3. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं विशेषताओं का परिचय कराना।
4. इतिहास का अध्ययन भविष्य निर्माण में कितना आवश्यक एवं वर्तमान जीवन को बनाने में कितना सहायक होता है यह बताना।

M.A. First Year - Hindi
Semester – II
Name of the paper – हिंदी साहित्य का इतिहास : भाग – 02

1. आधुनिक काल की परिस्थितियों तथा प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
2. राष्ट्रीय तथा सांस्कृतिक चेतना की काव्यधारा का सामान्य परिचय देना।

3. दलित साहित्य और आत्मकथा के विकास पर प्रकाश डालकर छात्रों में दलित साहित्य तथा आत्मकथा साहित्य सृजन की अभिलाषा अंकुरित, पल्लवित और फलित करने का प्रयास करना।
4. साहित्य विधा के विकासक्रम को समझना।

M.A. First Year -
Semester - I

Name of the Paper – नाट्य साहित्य : भाग - 01

1. नाटक विधा से छात्रों को परिचित कराना।
2. नाट्य साहित्य के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना।
3. द्रुत पाठ में दिये गए नाटककारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालना, छात्रों को नाटक लिखने के लिए प्रेरित करना।
4. रंगमंच से संबंधित जानकारी छात्रों को देना।
5. नाटक के लिए आवश्यक तत्वों की जानकारी देना।

M.A. First Year
Semester – II

Name of the Paper – नाट्य साहित्य : भाग – 02

1. नाटक के उद्भव और विकास से छात्रों को अवगत कराना।
2. नाटकों में व्यक्त की गई समस्याओं की और छात्रों का ध्यान आकृष्ट करना।
3. नाटकों में व्यक्त की गई समस्याओं का हमारे वर्तमान समाज की समस्याओं से तादात्म कर उसे हल करने के लिए छात्रों को प्रेरित करना।
4. अभिनय के प्रति छात्रों के मन में आकर्षण निर्माण करना।
5. अभिनय किस तरह रोजगार का माध्यम बन सकता है इसकी जानकारी देना।

M.A. Second Year
Semester - III

Name of the Paper – आधुनिक कविता : भाग – 01

1. आधुनिक कविता के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना।

2. द्रुतपाठ में दिए गए गणमान्य रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से छात्रों को अवगत कराकर इनके योगदान पर प्रकाश डालना, जिससे छात्रों में कविता के सृजन की अभिलाषा अंकुरित, पल्लवित और फलीत हो।
3. आधुनिक कविता की विषेशताएँ स्पष्ट करना।
4. आधुनिक कविता में व्यक्त समस्याओं से छात्रों का परिचय कराना।
5. कविता में आए रस, छंद, तुक आदि से छात्रों को परिचित कराना।
6. छात्रों को सुंदर अध्यात्मिक अध्ययनों के संकलन की प्रेरणा देना।

B.A. Second Year
Semester - IV
Name of the Paper - आधुनिक कविता : भाग – 02

1. 'रश्मिरथी' इस पौराणिक कथा के माध्यम से वर्तमान युगीन चेतना की अभिव्यक्ति किस तरह हुई है इस ओर छात्रों का ध्यान आकृष्ट कराना।
2. आधुनिक कविता को किस तरह अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बनाया जा सकता है इसे पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के माध्यम से बताना।
3. छात्रों में पद्य साहित्य पढ़ने के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
4. काव्य निर्मिति की प्रेरणा देना।

M.A. Second Year - Hindi
Semester – III
Name of the paper - समीक्षा सिद्धांत : भाग -01

1. प्राचीन और आधुनिक भारतीय समीक्षा सिद्धांतों और आलोचना प्रणालियों का अध्ययन कराना।

2. विविध समीक्षा सिद्धांतों की व्यवहारिकता योगिता का परिचय कराना।
3. छात्रों में साहित्यिक कृतियों का विवेचन, उनकी समीक्षा करने की दृष्टि विकसित करने का प्रयास करना।
4. छात्रों मे साहित्य के आस्वादन और मूल्यांकन की दृष्टी को बढ़ावा देना।
5. छात्रों की तर्कशक्ति को बढ़ावा देना।

M.A. Second Year - Hindi
Semester – IV
Name of the paper - समीक्षा सिद्धांत : भाग -02

1. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतों और आलोचना प्रणालियों का अध्ययन कराना।
2. छात्रों में साहित्यिक कृतियों का विवेचन एवं उनकी समीक्षा करने की दृष्टि विकसित करने का प्रयास करना।
3. छात्रों में पाश्चात्य साहित्य एवं सिद्धांतो के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
4. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतों की व्यवहारिकता उपयोगिता का परिचय कराना।
5. छात्रों को उनके स्वविवेक के अनुसार समीक्षा कराकर उनकी तर्क शक्ति और विवेचन शक्ति को बढ़ाने का प्रयास करना।

M. A. Second Year
Semester – III
Name of the Paper – हिंदी गद्य साहित्य : भाग – 01

1. गद्य साहित्य की लेखन शैली से परिचित कराना।
2. हिंदी के उपन्यास, आत्मकथा, संस्मरण विधा के उद्भव और विकास से अवगत कराना।
3. गद्य साहित्य के माध्यम से छात्रों की चिंतन तथा लेखन कौशल की क्षमता को विकसित करना।
4. गद्य साहित्य के माध्यम से छात्रों को विविध समस्याओं से अवगत कर उन समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें प्रेरित करना।
5. छात्रों के चिन्तन में क्रमशः स्पष्टता, संगतता एवं क्रमबद्धता उत्पन्न करना।
6. गद्य साहित्य के माध्यम से छात्रों के शब्द व सुक्ति भण्डार में वृद्धि करना।

M. A. Second Year
Semester - IV
Name of the Paper - हिंदी गद्य साहित्य : भाग – 02

1. छात्रों को गद्य साहित्य के संकलन की प्रेरणा देना।
2. छात्रों के हृदय में भाषा विषयक शुद्धता के प्रति सावधानी का भाव उत्पन्न करना।
3. छात्रों लोकोउक्तियों, सुकितियों एवं कथाओं के कोश का क्रमशः विस्तार करना।
4. ज्ञान क्षेत्र एवं विवेक के विकास द्वारा चरित्र चित्रण करना।
5. छात्रों को कहानी, निबंध, जीवनी आदि विधाओं का परिचय देकर उन्हें बहुज्ञ बनाना।
6. उन्हें गद्य साहित्य की विभिन्न शैलियों से परिचित कराना।

M. A. Second Year
Semester – III

Name of the Paper - हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य : भाग 01

1. हिंदी साहित्य के विविध विमर्श की जानकारी छात्रों को देना।
2. दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक विमर्श में जो विविध समस्याएं आई हैं उनसे छात्रों को अवगत कराना।
3. द्रुतपाठ में दिए गए रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से छात्रों को अवगत कराकर उनके योगदान पर प्रकाश डालना जिससे छात्रों में हिंदी नवविमर्श के प्रति आकर्षण उत्पन्न हो और साहित्य सर्जन की क्षमता विकसित हो।
4. विविध लेखकों की पुस्तकों को पढ़ने की छात्रों को प्रेरणा देना।
5. ज्ञान क्षेत्र एवं विवेक के द्वारा चरित्र - चित्रण करना।
6. हिंदी नवविमर्श के माध्यम से छात्रों के शब्द व सुकित भंडार में वृद्धि करना तथा उचित आरोह - अवरोह के साथ वाचन करने की योग्यता उत्पन्न करना।
7. छात्रों की विचार शक्ति में वृद्धि करना।

M. A. Second Year
Semester – III
Name of the Paper हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य : भाग – 02

1. हिंदी नवविमर्श में आए विविध विधाओं से छात्रों का परिचय कराना।
2. नवविमर्श के अंतर्गत जो समस्याएं आई है उनके समाधान के लिए छात्रों को प्रेरित करना।
3. छात्रों में हाशिए के समाज के प्रति अपनत्व का भाव उत्पन्न करना।
4. छात्रों को विविध साहित्य की पुस्तकें संकलित करने की प्रेरणा देना।
5. नवविमर्श साहित्य की उपयुक्तता के बारे में छात्रों को बताना।